झारखंड में ग्रीन बूथ

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करने और [प्लास्टिक मुक्त समाज](#) को बढ़ावा देने के लिये स्थापित ग्रीन बूथ झारखंड के **कोडरमा ज़िले** में मतदाताओं के लिये एक लोकप्रिय आकर्षण बन गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- **ग्रीन पोलिंग बूथ** कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत झुमरी तेलैया में एक **वरिष्ठ नागरिक सुविधा** केंद्र पर स्थित थे।
- ग्रीन चुनाव ऐसी प्रथाएँ हैं जिनका उद्देश्य **चुनावी प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है।** इनमें पुनर्चक्रित सामग्रियों का उपयोग करना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग को बढ़ावा देना और उम्मीदवारों को स्थायी अभियान प्रथाओं को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करना जैसे उपाय शामिल हैं।
- ग्रीन चुनाव का उद्देश्य निम्नलिखित के माध्यम से चुनावी प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है:
    - **पर्यावरण-अनुकूल अभियान सामग्री:** पार्टियाँ और उम्मीदवार पुन: प्रयोज्य सामग्री, बायोडिग्रेडेबल बैनर तथा पुनर्नवीनीकरण कागज़ सहित पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं।
    - **ऊर्जा की खपत को कम करना:** रैलियों के दौरान ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली और परिवहन का विकल्प चुनने से कार्बन पदचिह्न को कम करने में सहायता मिल सकती है।
    - **डिजिटल अभियानों को बढ़ावा देना:** प्रचार हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्मों (वेबसाइटों, सोशल मीडिया और ईमेल) का लाभ उठाने से कागज़ के उपयोग और ऊर्जा की खपत में कमी आती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-booths-in-jharkhand